Class 10
Hindi
पाठ 2
मीरा के पद स्पर्श भाग-2 हिंदी (Meera ke Pad)

मीरा

पृष्ठ संख्या: 11

प्रश्न अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए-

1. पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?

उत्तर

पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती उन्हें उनके उन रूपों का स्मरण कराकर करती हैं जिसके द्वारा उन्होंने अपने भक्तों की रक्षा की थी| वे उन्हें कहती हैं कि जिस प्रकार उन्होंने द्रौपदी का वस्त्र बढ़ाकर भरी सभा में उसकी लाज बचाई, प्रह्लाद की रक्षा करने के लिए नरसिंह का रुप धारण करके हिरण्यकश्यप को मारा, डूबते हुए गजराज को बचाया और कष्ट दूर करने के लिए मगरमच्छ को मारा| उसी प्रकार वे उनकी भी पीड़ा दूर करें|

2. दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

मीरा अपने आराध्य श्रीकृष्ण के समीप रहने के लिए उनकी चाकरी करना चाहती हैं| दासी बनकर वे श्रीकृष्ण के लिए बाग़ लगाएँगी और उनके समीप रह दर्शन पा सकेंगीं| वह श्रीकृष्ण की लीलाओं का गायन वृन्दावन की गलियों में करेंगीं जिससे उन्हें श्रीकृष्ण के नाम का स्मरण प्राप्त हो जाएगा|

3.मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रुप-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है?

उत्तर

मीरा श्रीकृष्ण के रुप-सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहती हैं कि उनके सिर पर मोर के पंखों का मुकुट है, गले में वैजंती फूलों की माला है| वे पीले रंग का वस्त्र धारण किये हुए हैं| हाथों में बाँसुरी लिए जब वह वृन्दावन में यमुना के तट पर गायें चराने ले जा रहे होते हैं तब यह रूप मनमोहक होता है|

4. मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

उत्तर

मीराबाई की भाषा सरल, सहज और आम बोलचाल की भाषा है जिसमें राजस्थानी, ब्रज और गुजराती का मिश्रण है। कहीं-कहीं पंजाबी शब्दों का प्रयोग भी किया गया है|

5. वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार हैं?

उत्तर

मीरा कृष्ण को पाने के लिए विभिन्न कार्य करने को तैयार हैं-

- वह दासी बन कर उनकी सेवा करना चाहती हैं|
- वह उनके घूमने के लिए बाग बगीचे लगाना चाहती हैं।
- वृंदावन की गलियों में श्रीकृष्ण के लीलाओं का गुणगान करना चाहती हैं|
- वह कुसुम्बी रंग की साड़ी पहनकर आधी रात को कृष्ण का दर्शन करना चाहती हैं।